© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 04 , Issue : 12 | October – December 2017

हिन्दी साहित्य लेखन में इतिहास का महत्व

सुषमा, असिसटेन्ट प्रोफेसर, विभाग – हिन्दी, यूनिवर्सिटी कालेज, जैतो

परिचय :–

हिन्दी साहित्य का निर्माण तो बहुत समय से चला आ रहा था किन्तु उसके वैज्ञानिक अध्ययन और सामग्री के संकलन प्रयास आरम्भ हुए अभी लगभग सौ वर्ष हुए है। प्राचीन काल के कवियों ने अपने सम्बन्ध में कुछ कहा है अथवा अपने परवर्ती व समकालीन कवियों का उल्लेख किया है। किन्तु यह कार्य एक तो स्फुट रूप से हुआ दुसरे उनसें साहित्य की प्रगति और प्रवृतियों का परिचय प्राप्त नहीं होता। अतः साहित्य का इतिहास लिखते समय उन से सहायता अवश्य मिलती हैं। किन्तु स्वंय अपने में वे इतिहास नहीं है। इतिहास लिखने का प्रयास तो ईसा की उन्नीसवीं शताब्दी के लगभग मध्यम से प्रारम्भ होता है। उस समय भी कवि और कवि कृतियों की सूचना ही अधिक मिलती है। साहित्य का इतिहास अपने व्यापक रूप में प्रत्येक परिवर्तन किया का विवरण है। उसी के अध्ययन करने का नाम साहित्य के इतिहास का वैज्ञानिक अध्ययन है।

साहित्य का अर्थ :–

साहित्य समाज का दर्पण होता है अर्थात साहित्य में समाज की सभी अच्छाईयां , बुराईयां प्रतिबिम्बित होती है। साहित्य के बारे में यह उक्ति भी प्रसिद्ध है– ''स : हितेन स साहित्य अर्थात जिसमें सबका भला हो वह साहित्य कहलाता है। समाज और साहित्य का घनिष्ठ सम्बन्ध होने के कारण समाज में परिवर्तन होने के साथ–साथ साहित्य के इतिहास में परिवर्तन होते रहते है। जिस काल या युग में समाज का जो रूप होता है, साहित्य का उसी रूप के साथ सांमजस्य होता है।

हिन्दी साहित्य में इतिहास :–

इतिहास के विषय में उत्तर देना कोई सरल कार्य नहीं है। क्योंकि इसे एक परिभाषा में नहीं बाधा जा सकता है। इतिहास में अनेकानेक धाराएं प्रवाहमान होती है और यह अनेकमुखी तथा गतिशील होती है। घटित घटनाएँ काल–क्रम तथा सन् सम्वत में क्रियान्वित होती हुई इतिहास का रूप धारण कर लेती है तथा बीते हुए युग का इतिहास बन जाती है। साहित्य का इतिहास अपने व्यापक रूप में प्रत्येक परिवर्तन क्रिया का उदाहरण है। विश्व में कोई चीज स्थिर परिवर्तनशील नहीं है। अतीत के किसी भी तथ्य,तत्व एवं प्रवृत्ति के वर्णन, विवरण, विवेचन व विश्लेषण को जोकि काल विशेष की दृष्टि से किया गया हो इतिहास कहा जा सकता है। इतिहास का शाब्दिक अर्थ होता है– ऐसा ही था– या ऐसा ही हुआ। इससे दो बातों को स्पष्ट किया जा सकता है। पहली बात यह है कि उसका सम्बन्ध केवल अतीत की घटनाओं से होता है और दूसरी बात यह है कि इसके अन्तर्गत केवल वास्तविक घटनाओं का ही समावेश होता रहता है। इससे यह अर्थ निकाला जा सकता है कि इतिहास अतीत में घटी हुई घटनाओं परिस्थितियों एंव